

सर्पमित्रों की राय

कंपकंपी छुड़ाने वाले सांप वास्तव में होते हैं मनुष्य के दोस्त

वरुड़, संवाददाता, 26 जुलाई- सांप का नाम सुनकर ही हमारे शरीर में कंपकंपी छूट जाती है. इसका कारण यह है कि सर्प का एक दंश मनुष्य को पृथ्वी लोक से स्वर्गलोक पहुंचा सकता है. हालांकि इसके लिए सांप का विषैला होना जरूरी है, लेकिन कितने सांप विषैले होते हैं. इसकी जानकारी हासिल न करने हुए हम प्रत्येक सांप को विषैला समझकर उरते हैं. जबकि वास्तविकता इससे बिल्कुल भिन्न है. यदि हम अपने आसपास पाए जाने वाले सांपों के बारे में सही जानकारी हासिल करने और उनके बारे में गलतफहमियां दूर कर लें, तो हम पाएंगे कि पर्यावरण को संतुलित रखने वाले सांप हमारे अच्छे मित्र हैं.

नागपंचमी के दिन जिन सांपों की पूजा की जाती है, वही सांप अन्य दिन दिखाई देने पर हम बड़ी निर्यतता से उन्हें मार डालते हैं. इसके कारण सांपों की संख्या दिन-प्रतिदिन कम होती जा रही है, लेकिन वरुड़ तहसील इसका अपवाद है. सतपुड़ा पर्वत के जंगलों और खेतों में बड़े पैमाने पर अलग-अलग प्रजातियों के सांप पाए जाते हैं. विषैले सांपों में मुख्य रूप से मण्यार/दंडेकर (कामिन क्रेट), नाग (स्पेक्टकलड कोबरा), घोणस टवव्या, पेटरी मण्यार अथवा आग्या मण्यार (सप्तरी सांप), तणसर्प या काण्डा (बांबू पिटवायपर), फुरसे (संकेलडवाईपर) आदि शामिल हैं. कम विषैले सांपों में वाइन स्नेक (हरणटोल), मांजव्या, फोस्टन मांजव्या आदि प्रमुख हैं. इन सांपों के डसने पर आदमी की मौत नहीं होती केवल चक्र आता है. विषहीन सांपों में अजगर, धामपा, डुरख्या घोणस (मांडवल), पाणदिवट (धोड्या), विरोल (ताव्या), नानेटी (वास्या), गतस्या, धूल नागिन, तस्कर, रुखई (वेल्या), कवड्या, पटेरी कवड्या, कुकरी, रातसर्प पोवला आदि शामिल हैं. ये सांप रातभर में सभी स्थानों पर पाए जाते हैं. ग्रीष्म ऋतु में बिल में रहने वाले सांप बारिश में बाहर निकल आते हैं. यही उनके प्रजनन का काल होता है. आमतौर पर जून, जुलाई महीने में विषैले मण्यार सांप अधिक दिखाई देते हैं. विषैले सांपों में विष के दो प्रकार हैं. इनमें से न्यूरोटॉक्सिक



व्हेम विष मण्यार, पेटरी मण्यार, नाग जैसे सांपों में पाया जाता है. यह विष शरीर के सेटल नर्वस सिस्टम को आघात पहुंचाता है. यही कारण है कि इन सांपों के काटने पर मस्तिष्क और हृदय काम नहीं करता और मनुष्य की मौत हो जाती है. हिमोटॉक्सिक व्हेम विष घोणस, बांबू पिटवायपर, सां स्केलडवाईपर में पाया जाता है. यह विष रक्त कोशिकाओं को डैमेज करता है. खून को पानी बना देता है. इसके कारण रक्त में आक्सीजन की आपूर्ति बंद हो जाती है और जिस व्यक्ति को सर्पदंश हुआ रहता है उसकी मृत्यु हो जाती है. पॉलिवालेंट दवा दोनों प्रकार के सर्पदंश में असकारक है, लेकिन जब पॉलिवालेंट दवा काम नहीं करती अथवा जहर की मात्रा अधिक रहती

है तब मोनोवालेंट दवा दी जाती है. यह दवा महंगी है और कम मात्रा में उपलब्ध है. अधिकांश सरकारी अस्पतालों में मोनोवालेंट दवा उपलब्ध नहीं होने के कारण मरीजों को अपनी जान गंवानी पड़ती है. फिलहाल तहसील के सभी अस्पतालों में पॉलिवालेंट दवा उपलब्ध बताई जाती है. विषैले सांपों की संख्या उंगलियों पर गिने जाने लायक है. इनकी सही ढंग से पहचान कर उसके अनुसार इलाज कराने पर विषैले सांपों के डसने के बावजूद जान बचाई जा सकती है. सच्चाई यह है कि सांप के काटने के बाद अक्सर लोग तांत्रिकों के पास इलाज करा कर बेवजह वक्त जाया करते हैं. वरुड़ तहसील के कुछ आदिवासी बहुल और दुर्गम इलाकों में स्थित गांवों में सर्पमित्र मंडल के माध्यम से सांपों के प्रति जनजागृति की जा रही है. लेकिन इन कार्यों के लिए उनके पास पर्याप्त मानवबल नहीं है. जनजागृति के लिए कभी-कभी सरकारी विभाग भी पहल करते हैं. इन सब के बावजूद हर साल राज्य में सैकड़ों लोगों की जान सर्पदंश के कारण चली जाती है. पर्यावरण की रक्षा करने वाले सांपों को जान से मार देना उनसे बचने का उपाय नहीं है. इसके लिए सर्पमित्रों से संपर्क करना सबसे अच्छा विकल्प है. सर्पमित्रों का कहना है कि स्कूल के विद्यार्थियों से लेकर दुर्गम इलाकों में रहने वाले अशिक्षित लोगों को सांपों के बारे में जानकारी देकर गलतफहमियां दूर करना ही बेहतर उपाय है.



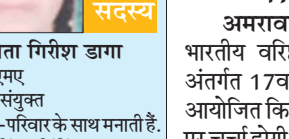
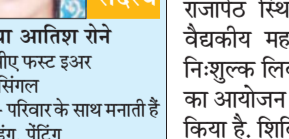
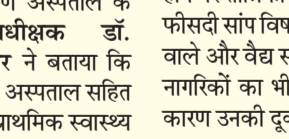
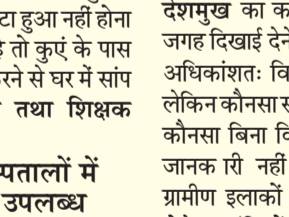
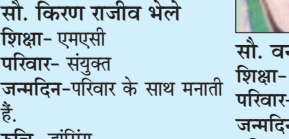
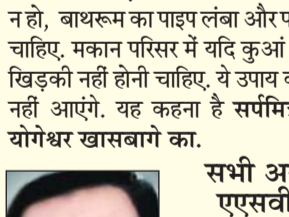
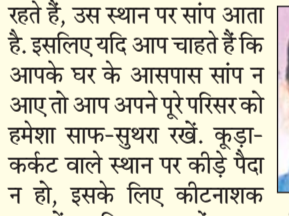
दूध पिलाने से सांपों की मौत हो सकती है
नागपंचमी पर्व के दिन तहसील के किसान खेतों में काम बंद रखते हैं. सभी स्थानों पर नागदेवता की पूजा की जाती है. कुछ लोग सांपों को दूध भी पिलाते हैं. हालांकि उन्हें यह पता नहीं होता कि सांपों को पिलाया गया दूध धमनियां में जाने से उनकी मौत हो सकती है. इसलिए सर्पमित्रों ने सांपों को दूध नहीं पिलाने की अपील की है. कुछ आदिवासी इलाकों में अंधश्रद्धा के कारण किसी-किसी के शरीर में नागदेवता के आने का मामला भी होता है.

नाग के काटने पर भी बच सकती है जान सर्पमित्र तथा प्रा. अध्यापक वानखड़े ने बताया कि वरुड़ ग्रामीण अस्पताल, मोशी उपजिला अस्पताल, जिला ग्रामीण अस्पताल सहित अन्य तहसीलों के ग्रामीण अस्पतालों में एंटी स्नेक व्हेम उपलब्ध है. यह दवा उपलब्ध नहीं होने पर संबंधित अधिकारी पर कार्रवाई करने का सरकार का आदेश है. विषहीन सांप ही नहीं बल्कि कोबरा नाग के काटने पर भी इस दवा के माध्यम से जान बचाई जा सकती है. उन्होंने सांप काटने पर व्यक्ति को तुरंत अस्पताल ले जाकर इलाज कराने की सलाह दी है. सांपों को दूर रखने के लिए ये उपाय करें

जिस स्थान पर कूड़ा-कंकट रहता है, कीड़े-मकोड़े रहते हैं, उस स्थान पर सांप आता है. इसलिए यदि आप चाहते हैं कि आपके घर के आसपास सांप न आए तो आप अपने पूरे परिसर को हमेशा साफ-सुधरा रखें. कूड़ा-कंकट वाले स्थान पर कीड़े पैदा न हो, इसके लिए कीटनाशक दवाओं का छिड़काव करें. मकान की दीवारों में सुराख न हो, बाथरूम का पाइप लंबा और फटा हुआ नहीं होना चाहिए. मकान परिसर में यदि कुआं है तो कुएं के पास खिड़की नहीं होनी चाहिए. ये उपाय करने से घर में सांप नहीं आएंगे. यह कहना है सर्पमित्र तथा शिक्षक योगेश खसबागे का.

सभी अस्पतालों में एएसवी उपलब्ध
वरुड़ ग्रामीण अस्पताल के वैद्यकीय अधीक्षक डॉ. अमोल पोतदार ने बताया कि वरुड़ के ग्रामीण अस्पताल सहित इलाके के पांच प्राथमिक स्वास्थ्य

90 फीसदी सांप विषैले नहीं होते
सर्पमित्र और नायब तहसीलदार कमलाकर देशमुख का कहना है कि सभी जगह दिखाई देने वाले सांपों में से अधिकांशतः विषहीन ही होते हैं. लेकिन कौनसा सांप विषैला है और कौनसा बिना विष वाला, इसकी जानकारी नहीं होने के कारण ग्रामीण इलाकों के लोग सर्पदंश होने पर तांत्रिकों के पास दौड़ कर जाते हैं. मुख्यतः 90 फीसदी सांप विषहीन होने के कारण ही तांत्रिक जड़ीबूटी वाले और वैद्य सांपों का जहर उतारने का दावा करते हैं. नागरिकों का भी उन पर विश्वास होता है और इसी के कारण उनकी दूकानदारी चलती है.



त्यौहारों पर बारिश का होना शुभ संकेत



नागपंचमी की पूर्व संध्या पर 'फुहारों की झड़ी'



सदियों से चली आ रही मान्यता

प्रतिनिधि, 26 जुलाई अमरावती- जमीन से आसमान तक प्रकृति कण-कण में रची-बसी है. प्रकृति से हमारी धर्म संस्कृति और सभ्यता जुड़ी है. प्रकृति झूलें पर झूलने वाली हमारी संस्कृति का मूल आधार ऋतुचक्र है. हालांकि तीनों ऋतु महत्वपूर्ण हैं, मगर वर्षाऋतु सबसे महत्वपूर्ण है. झमाझम बारिश, तेज हवाएं, रिमझिम फुहारों से मौसम में जो परिवर्तन होता है वह स्वर्ग की अनुभूति देता है. मौसम विभाग और विज्ञान की परिभाषाओं से हटकर सतियों से चली आ रही मान्यता के अनुसार त्यौहारों पर बारिश का होना शुभ संकेत माना जाता है. नागपंचमी की पूर्व संध्या पर रिमझिम फुहारों की झड़ी है शुभ लक्षण का एहसास करवाया है. इससे शुभ क्या होगा कि

त्यौहार का स्वागत स्वर्ग वर्षा कर रही है. अच्छी खेती और बारिश की कामना करने वाले सभी के लिए यह एक अच्छा शुभ माना जाता है. **बादल गयाना ऋतुचक्र** आमतौर पर सावन माह शुरू होने के बाद त्यौहारों की लड़ियां शुरू होती हैं. उसके पूर्व 7 जून से मृग नक्षत्र के साथ मानसून के आगमन का इंतजार शुरू होता है. वर्षा ऋतु के 1 जून से 30 सितम्बर तक 4 माह माने गए हैं. मगर विगत 4-5 वर्षों से मानसून कभी समय पर नहीं बरसा.

इस बार भी 7 जून की बजाए जुलाई के दो सप्ताह बाद मानसून की आहट मिली. ऋतु चक्र मानों बदल गया है. मगर हमारी सदियों पुरानी मान्यता का एहसास प्रकृति हमें सदैव करवाती आ रही है. **कुछ त्यौहारों पर बारिश निश्चित** हमारे बड़े बुजुर्गों और धार्मिक मान्यताओं के अनुसार जब-जब त्यौहारों पर बारिश होती है तो शुभ संकेत माना जाता है. गुरुवार, 27 जुलाई को नागपंचमी की पूर्व संध्या पर रिमझिम फुहारों की झड़ी ने फिजा

बदल डाली. आमतौर पर हर नागपंचमी को बारिश का होना निश्चित माना जाता है. इस बार भी बारिश ने बरस कर शुभ संकेत दिए हैं. **शरारती बूंदों का संगीत** प्रकृति और ईश्वरीय संगीत को धर्म संस्कृति में अनन्य साधारण महत्व है. प्यास से व्याकुल धरती पर बरसने वाली पानी की बूंदें हमें जीवन सृजन का संदेश देती हैं. चराचर सृष्टि की प्राणदाता वर्षा छाप करते तेज हवा के झोंके के साथ

आस्था के साथ उत्साह

नागपंचमी के बाद, स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त, रक्षा बंधन, काजल तीज, गणेशोत्सव, दुर्गाोत्सव जैसे त्यौहारों पर बारिश होना हर वर्ष का समीकरण बन चुका है. त्यौहारों के दिनों बरसने वाली बारिश को न केवल विशेष महत्व है बल्कि शुभ संकेत माने जाते हैं. काजल तीज पर महिलाएं और लड़कियां नए वस्त्र और गहने धारण कर पूजा विधि करती हैं. इस दिन भी बरसने वाली बारिश शुभ मानी जाती है. ऐसे त्यौहारों पर आनेवाली बारिश का लोग आस्था व उत्साह के साथ स्वागत करते हैं.

बरसती है तो हमें शरारती बूंदों का मधुर संगीत सुनानी है. **बारिश का स्वागत** शीतऋतु और ग्रीष्मऋतु की अपेक्षा वर्षाऋतु का न केवल बेसब्री से इंतजार किया जाता है बल्कि उसका बाढ़ें फैलाकर स्वागत भी किया जाता है. यही एक ऋतु ऐसी है जिसमें बड़े-बुजुर्ग भी बच्चों की तरह ताली बजाकर अपनी सारी मासूमियत बाहर निकाल कर वर्षा में भीगने का आनंद उठाते हैं. त्यौहारों का स्वागत करने वाली वर्षा शुभ संकेत तथा हमारी मान्यताओं को अधोरेखित करती है.

सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेता रहेगा लायन्स क्लब - झा

प्रतिनिधि, 26 जुलाई वर्षा - पूरी दुनिया में 200 से अधिक देशों में लायन्स क्लब सेवा कार्यों में अग्रणी है और पिछले सौ सालों से जिस तरह कार्य किया जा रहा है, उसी तरह आगे भी यह सेवाकार्य अविचल रूप से जारी रहेगा. उक्त प्रतिपादन लायन्स प्रांत 3233 के प्रथम उपप्रांतपाल और इटारसी (मध्यप्रदेश) के प्रख्यात समाजसेवी अनिल झा ने किया.



लायन्स क्लब वर्षा का पदग्रहण समारोह संपन्न

लायन्स क्लब वर्षा के 58वें पदग्रहण समारोह में पदग्रहण अधिकारी के रूप में अनिल झा उपस्थित थे. कार्यक्रम में मल्टीपल कार्डसिल चैयरमैन तथा पूर्व प्रांतपाल राजे मुधोजी भोसले, 2017-18 के प्रांतपाल प्रतिभा अदलखिया, नगराध्यक्ष अतुल तराले, पूर्व प्रांतपाल डॉ. विनोद अदलखिया, रिजन चैअरमैन धामणगांव एम. रमेश चंद्रक, जोन चैअरमैन और क्लब के पूर्व अध्यक्ष नौशाद बक्श, अध्यक्ष राजेश पडोले, लायनेस अध्यक्ष कविता पांडे, लिओ अध्यक्ष रश्मी पशीने, लायन सचिव शुभदा रुद्रकार, क्लब की प्रथम महिला रेखा पडोले, लायनेस सचिव फरीदा सेफी, लायन्स क्लब के कोषाध्यक्ष जीतेंद्र कोठारी, लायनेस कोषाध्यक्ष निलोफर बक्श, निवर्तमान सचिव प्रदीप पशीने, कोषाध्यक्ष परेश शर्मा प्रमुख रूप से उपस्थित थे.

स्वरूपा चकोले, सचिन बुटे, शुभांगी बुटे, प्रवीण हिवरे, योगिता हिवरे, डॉ. विलास ढगे, डॉ. दीपा ढगे, रमेश हागे को विधिवत क्लब की सदस्यता की शपथ दिलाई. पदग्रहण अधिकारी अनिल झा ने क्लब के पदाधिकारियों को शपथ दिलाई. लिओ अध्यक्ष रश्मी पशीने और लायनेस अध्यक्ष राजेश पांडे ने इस मौके पर अपने विचार व्यक्त किए.

कार्यक्रम में कृष्णसिंह पडोले का शॉल व श्रीफल देकर अतिथियों के हाथों सत्कार किया गया. इसी तरह खालों में विशेष सफलाता हासिल करने वाले क्लब के वरिष्ठ सदस्य गिरीश उपाध्याय का भी अभिनंदन किया गया. वर्षा के प्रख्यात आर्किटेक्ट मकरंद पाठक ने अपनी विशेष वक्तव्य शैली में नई कार्यकारिणी का स्वागत किया. समारोह में उपस्थित होशंगाबाद के अग्रवाल प्रांतीय कोषाध्यक्ष अजय वाणे, प्रांतीय उप पीआरओ शिवकुमार कोठारी, नागपुर कॉसमॉस क्लब के अध्यक्ष अतुल ढगे, गणेश गरुड, डॉ. दिलीप तालेवार, रेटरी क्लब गांधी सिटी वर्षा की अध्यक्ष संगीता इंगले, वरिष्ठ नागरिक अरुण लेले, रवि शेंडे, डॉ. ओम, रमेश केला, योगेंद्र फत्तेपुरिया आदि का क्लब की ओर से सत्कार किया गया.

छेड़छाड़ के दो मामले दर्ज

प्रतिनिधि, 26 जुलाई अमरावती- बडनेरा पुलिस थाने में एक साथ छेड़छाड़ के दो मामले दर्ज हुए हैं. पीड़ित महिला मंगलवार की दोपहर 3 बजे बडनेरा रेलवे लाइन परिसर से जा रही थी. एक अज्ञात ने पीछे से आकर उसे जकड़ा और विनयभंग कर फरार हो गया. दूसरी घटना पाला गांव में हुई. आरोपी मंगेश किजयराव नाईक (20) ने पड़ोस के घर में साबुन के बहाने प्रवेश किया और लड़की को छेड़ा. दोनों मामले में पुलिस ने अपराध दर्ज किया है. पीएसआई एस.एस. आसोरे मामले की जांच कर रहे हैं.

आईये, घर राजाईये!

मेटल और नॉन मेटल लेझर कटिंग जाली एवम् नेमप्लेट

- ◆ MS (लोहा)
- ◆ SS (स्टील)
- ◆ ब्रास, ब्रॉन्ज़, कॉपर
- ◆ अंक्रैलिक
- ◆ विनिअर
- ◆ एमडीएफ
- ◆ वुड, ग्लास, स्टोन

पुष्पराज क्रिएशन्स

प्लॉट नं. एक्स-५, एमआयडीसी, अमरावती 94228 55036

ऑपरेशन के बिना निरूपमा के हृदय का छेद बंद



डॉ. मनक्षे की टीम सफल, सावंगी अस्पताल में निःशुल्क स्वास्थ्य सेवा

प्रतिनिधि, 26 जुलाई वर्षा- ऑपरेशन न करते हुए एक युवती के हृदय के दो छेद बंद करने की प्रक्रिया सावंगी मेधे स्थित आचार्य विनोबा भावे ग्रामीण अस्पताल के हृदयरोग विशेषज्ञ डॉ. गजेंद्र मनक्षे व उनकी टीम ने पूर्ण की. खास बात यह कि महात्मा ज्योतिबा फुले जनस्वास्थ्य योजना से सर्व उपचार प्रक्रिया निःशुल्क होने से भंडारा के राऊत परिवार को बड़ी राहत मिली है. भंडारा जिले के लाखांडुर तहसील के करंडला निवासी 32 वर्षीय निरूपमा राऊत को निरंतर थकावट महसूस होती थी. उसे सावंगी अस्पताल में भर्ती करने पर जांच पश्चात हृदय में दो अलग-अलग स्थान पर छेद पाए गए. एक छेद हृदय

के ऊपर व दूसरा नीचे था. उसे एएसडी व वीएसडी कहा जाता है. ऐसे मरीज पर ओपन हार्ट सर्जरी द्वारा उपचार किया जाता है. मगर डॉ. मनक्षे के मार्गदर्शन में अस्पताल में उपलब्ध अत्याधुनिक संसाधनों की मदद से एक साथ दो छेद बंद करने की डिवाइस क्लोजर प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूर्ण की. इस प्रक्रिया में डॉ. गजेंद्र मनक्षे को डॉ. दीपक साने, डॉ. पंकज राऊत, डॉ. सतीश खडसे, डॉ. अपूर्व महल्ले, प्रणयकुमार गवई, परिचारिका, समाजसेवी राकेश अगड़े का विशेष सहयोग मिला. महात्मा ज्योतिबा फुले जनस्वास्थ्य योजना से उपचार किए जाने से निरूपमा के परिजनों को निःशुल्क स्वास्थ्य सेवा दी गई.

सुदृढ भारत, समर्थ भारत!
आमच्या काळजात धडधडतय, तुमचं सदृढ आयुसरोय!

मोफत आरोग्य तपासणी
सर्वसामान्यांच्या आरोग्यासाठी तपासणीचा महायज्ञाचे पर्व आर्वीतखास आर्वी विधानसभ मतदार संघातील जनतेसाठी

मुख्यमंत्री आरोग्य सत्रांचे 209७

- इसीजीसह सर्व प्राथमिक तपासण्या
- पुढील उपचारांसाठी आवश्यक सोय
- नेत्र तपासणी व मोफत चश्मे वाटप
- मोतिबिंदू उपचार
- कॅसरची तपासणी
- तज्ज्ञ डॉक्टोरांकडून हयरोग तपासणी
- विद्यार्थ्यांसाठी दंत चिकित्सा व उपचार
- ना-कान-घसा
- बाल आणि स्त्री-रोग
- वीपी, शुगर तपासणी

रविवार, 30 जुलै 2017, जिव.प. कल्या शाळेत, सकाळी 10 ते दुपारी 3 पर्यंत

स्व. वामनराव दिवे वॅरीटेबल ट्रस्ट पुढील आदेशक उपचारांसाठी करणार आर्थिक मदत! दारिद्र्य रेषेखालील रुग्णांसाठी विविध शासकीय योजनांत उपचार!

सामर्य काळजात दुखतय? आता चिंता नका करु तुमच्या बळकट हृदयासाठी संत अच्युत महाराज हॉस्पिटल आणि स्व. वामनराव दिवे ट्रस्ट तुमच्या पाठीशी आहे. 'कसा जाऊ, कथी पोहोचू?' हा विचार नका करु रुग्णांना ने-आण करण्याची मोफत व्यवस्था करण्यात आली आहे रुग्णवर्गीय या. तुमच्या सेवेची संधी या!

डॉ. अनिल सावरकर (अध्यक्ष) डॉ. अच्युत महाराज हॉ. हॉस्पिटल

सामर्य पारसेवंद (अध्यक्ष) डॉ. अच्युत महाराज हॉ. हॉस्पिटल

निर्वाहकांचा मार्गसूचक सुधीर दिवे भाजी उपनिवेशाधिकारी मुख्य संयोजक आरोग्य सत्रांचे, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य, भाजपा

रचना नारी मंच की सदस्य
सौ. संध्या आतिश रणे शिक्षा- बीए फस्ट इअर परिवार- सिंगल जन्मदिन- परिवार के साथ मनाती है रुचि- ड्राइंग, पेंटिंग संदेश- लड़कियों को खूब पढ़ाएं

रचना नारी मंच की सदस्य
सौ. वनीता गिरीश डागा शिक्षा- एमए परिवार- एमए परिवार- संयुक्त जन्मदिन- परिवार के साथ मनाती है रुचि- कुकिंग, सिंगिंग संदेश- बच्चों को पढ़ा-लिखाकर अपने पैरों पर खड़ा करें.

रचना नारी मंच की सदस्य
सौ. किरण राजीव भेले शिक्षा- एमए परिवार- संयुक्त जन्मदिन- परिवार के साथ मनाती है रुचि- डांसिंग संदेश- नारियों पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ आवाज उठानी चाहिए

रचना नारी मंच की सदस्य
सौ. वनीता गिरीश डागा शिक्षा- एमए परिवार- एमए परिवार- संयुक्त जन्मदिन- परिवार के साथ मनाती है रुचि- कुकिंग, सिंगिंग संदेश- बच्चों को पढ़ा-लिखाकर अपने पैरों पर खड़ा करें.